>

Title: Requests the Government to release 3900 cubic water from Rajasthan and Madhya Pradesh to Uttar Pradesh as per agreement.

डा. राम लखन सिंह (भिण्ड): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं भिंड संसदीय क्षेत्र से आता हूं जो मध्य प्रदेश के आखिरी हिस्से और उत्तर प्रदेश से लगा हुआ है। इस इलाके को जहां ३९०० क्यूसेक पानी मिलना चाहिए वहां राजस्थान और मध्य प्रदेश की निकम्मी कांग्रेस सरकार २५००-२६०० क्यूसेक पानी देती है। जिसके कारण उस पूरे जिले के किसान आज भुखमरी की स्थिति में पहुंच गये हैं।

श्री रामनारायण मीणा : सभापति महोदय, यह बिल्कुल गलत बात है। मध्य प्रदेश सरकार के ऊपर चम्बल की नहरों की सफाई का २८ करोड़ रूपया बकाया है, जो उसने राजस्थान सरकार को देना है। यह पैसा न देने के कारण नहरों की सफाई नहीं हुई है। ... (व्यवधान)

डा. राम लखन सिंह : यह किसानों का मामला है, आप किसान विरोधी हैं, इसलिए बोल रहे हैं

... (व्यवधान)

श्री रामनारायण मीणा : नहरों का उन्नतिकरण, सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण और सफाई किया जाना बहुत आवश्यक है। राजस्थान के किसानों को भी पानी नहीं मिल रहा है, किसान बर्बाद हैं। केन्द्र की भाजपा सरकार नहरों के रख-रखाव के लिए राशि नहीं दे रही है

... (व्यवधान)

डा. राम लखन सिंह : चूंकि यह सरकारें किसान विरोधी हैं। वहां किसानों ने उधार लेकर बीज डाल दिया है और वहां पानी नहीं मिल रहा है। किसान बर्बाद हो गये हैं, भूखो मरने की स्थिति में पहुंच गये हैं। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश और राजस्थान की जो किसान विरोधी सरकारें हैं, इनको कोई आदेश देना चाहिए कि वहां समझौते के अनुरूप ३९०० क्यूसेक पानी मिलना चाहिए जिससे कि किसान भुखमरी से बच सके और उन्हें राहत मिल सके, यही मेरा निवेदन है।